मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा राजस्थान में धुंआधार चुनाव प्रचार के बाद अब दूसरे राज्यों में चुनाव प्रचार में जुट गये हैं। सोमवार को मु.मंत्री भजनलाल ने कोलकाता के श्रीरामपुर लोकसभा क्षेत्र में भाजपा उम्मीदवार कबीर शंकर बोस के समर्थन में रोड शो किया और उनके नामांकन कार्यक्रम में भी शामिल हुये। रोड शो के दौरान भारी भीड़ जुटी, जगह-जगह पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया गया।

मुख्यमंत्री भजनलाल ने कलकत्ता में भाजपा प्रत्याशी के लिए रोड शो व नामांकन सभा को संबोधित किया

प्रदेश भाजपा नेता देशभर में भाजपा के पक्ष में मारवाड़ी वोट बैंक साधने में जुट गए हैं

जयपुर, 29 अप्रेल (का.सं.)। राजस्थान की 25 लोकसभा सीटों पर चुनाव सम्पन्न होने के बाद प्रदेश के भाजपा नेता देश भर में रह रहे मारवाड़ियों को साधने के लिए अन्य प्रदेशों के दौरे पर हैं। इन नेताओं को केंद्रीय नेतृत्व की ओर से मारवाड़ियों को साधने का काम दिया गया है। इसी क्रम में, प्रदेश के मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, केबिनेट मंत्री और अन्य प्रदेश स्तरीय नेता दौरे कर रहे हैं।

- **मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री सहित प्रदेश के 150 भाजपा नेताओं के अन्य राज्यों में चुनाव प्रचार के कार्यक्रम तय।**

प्रदेश के नेता राजस्थानियों के बीच जाकर भाजपा के पक्ष में मतदान करने की अपील करेंगे। ज्ञातव्य है कि, बड़ी संख्या में व्यापार के सिलसिले में राजस्थानी लोग देश के अलग-अलग राज्यों में बसे हैं और सालों से इन राज्यों में रहने के कारण वे वहां के स्थानीय वोटर भी हैं। पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना सहित अन्य राज्यों में, जहां राजस्थानियों की तादाद ज्यादा हैं, वहां प्रदेश के नेताओं को प्रचार के लिए भेजा जा रहा है। इसी क्रम में, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा आज कलकत्ता की श्रीरामपुरा लोकसभा सीट पर भाजपा प्रत्याशी की नामांकन सभा और रोड शो में शामिल हुए। इसके बाद उन्होंने मारवाड़ी समाज और उद्योगपतियों के सम्मेलन को संबोधित किया।

मंगलवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा झारखंड के धनबाद लोकसभा क्षेत्र में जनसभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद वे प्रबुद्धजन सम्मेलन व संवाद कार्यक्रम और प्रवासी राजस्थानी सम्मेलन को संबोधित करेंगे। इसी दिन शाम को रांची में मारवाड़ी धर्मशाला में प्रबुद्धजन सम्मेलन व प्रवासी राजस्थानी सम्मेलन में शामिल होंगे।

बुधवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा झारखंड के हजारीबाग लोकसभा प्रत्याशी मनीष जायसवाल के समर्थन में जनसभा और नामांकन कार्यक्रम में शामिल होंगे। केन्द्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत पंजाब में प्रचार के लिए आज सुबह चंडीगढ़ पहुंचे।

प्रदेश भाजपा के करीब 150 नेता अन्य राज्यों में चुनाव प्रचार के लिए जाएंगे। पश्चिम बंगाल, झारखंड उत्तर प्रदेश, तेलंगाना, पंजाब, आंध्रप्रदेश, महाराष्ट्र सहित अन्य राज्यों में प्रदेश के नेताओं को जिम्मदारियां दी गई हैं। इसी के तहत पूर्व नेता प्रतिपक्ष, राजेन्द्र राठौड़, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी, प्रभुलाल सैनी सहित कई नेता रविवार को तेलंगाना के लिए रवाना हो गए। ये नेता वहां प्रचार के साथ-साथ चुनाव प्रबंधन का काम भी देखेंगे। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी, कैलाश चौधरी, मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़, झाबर सिंह खर्रा सहित अन्य मंत्री व नेता भी दूसरे राज्यों में प्रचार के लिए जाएंगे।

क्या गहलोत की टीम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के साथ है। गहलोत के पूर्व ओ.एस.डी. सोशल मीडिया पर ट्रैंड कर रहे हैं, क्योंकि वो गहलोत को कांग्रेस पार्टी से निकालने की मांग कर रहे हैं।

गहलोत को चुनाव प्रचार के लिए बाड़मेर जाना था। उनकी इस यात्रा के लिए दो गाड़ियाँ बुक की गईं, गहलोत के नाम से तथा उत्तरलायी एयरपोर्ट पर इन गाड़ियों को प्रवेश करने की इजाज़त के लिए स्वीकृति भी प्राप्त की गई। अन्ततोगत्वा गहलोत बाड़मेर नहीं गए तथा इन गाड़ियों का उपयोग रविन्द्र सिंह भाटी ने किया। इससे इन चर्चाओं ने जोर पकड़ा कि, अशोक गहलोत उन्हें सपोर्ट कर रहे थे और कांग्रेस के अधिकारिक प्रत्याशी उम्मेदाराम बेनीवाल को हराने का प्रयास कर रहे थे।

इस मामले में गंभीर रूप ले लिया है और गहलोत अपना बचाव नहीं कर पा रहे हैं। गहलोत कैम्प रक्षात्मक कार्यवाही में जुटा है, वहीं, पार्टी का गहलोत विरोधी कैम्प आक्रामक रूप से उन्हें निशाना बना रहा है।

ट्रेन में यात्री के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

10 अगस्त, 2022 को साबरमती एक्सप्रेस के ए.सी. कोच में बैठकर मोहाली से जयपुर आ रही थी। रेवाड़ी स्टेशन पर कई बिना टिकट तथा कई जनरल कोच के यात्री उसके ए.सी. कोच में आ गए। शिकायत के बावजूद न तो मौके पर टी.टी. और कोच अटैन्डेंट आया और ना ही रेलवे पुलिस का कर्मचारी आया। इसके अलावा कोच में सुरक्षा का कोई इंतजाम भी नहीं था। इस दौरान एक व्यक्ति परिवादी का पर्स लेकर ट्रेन से कूद गया। उसके पर्स में 1.70 लाख रुपए नकद और अस्सी हजार रुपए की अंगूठी सहित अन्य सामान था। ऐसे में उसके सामान की रक्षा करने की जिम्मेदारी रेलवे प्रशासन की थी। इसलिए उसे क्षतिपूर्ति दिलाई जाए। जिसके जवाब में रेलवे प्रशासन की ओर से कहा गया कि, रेलवे नियमों के अनुसार, सवारी डिब्बों में ले जाने वाली वस्तुएं मालिक की स्वयं की जोखिम पर ले जाई जाती हैं। रेलवे अधिनियम की धारा 100 के तहत "अनबुक्ड" लगेज के नुकसान के लिए रेलवे जिम्मेदार नहीं है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद आयोग ने रेलवे पर हर्जाना व चोरी गई संपत्ति का मुआवजा देने का निर्णय दिया।

कोटा में एक और ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

10.30 बजे की है। उन्नीस वर्षीय छात्र सुमित कुमार पुत्र विजयपाल ने अपने हॉस्टल के कमरे में आत्महत्या कर ली। वह बीते एक साल से कोटा में रह रहा था।

घटना के बाद पुलिस ने उसके हॉस्टल का कमरा सीज़ कर दिया है और परिजनों को पूरे मामले की सूचना भी दे दी गई है। उत्तम रैज़िडैंसी के जिस कमरे में सुमित ने सुसाईड किया है उसमें एंटी हैंगिंग डिवाइस नहीं लगी हुई थी, जबकि, कोटा में सभी हॉस्टल और पीजी संचालकों को कमरों में एंटी सुसाइड रॉड लगवाना अनिवार्य किया गया है। बताया जा रहा है कि, सुमित को 5 मई को नैशनल टेस्टिंग एजेन्सी की नीट यूजी 2024, परीक्षा देनी थी। सुमित पहले भी नीट की परीक्षा दे चुका है। कहा जा रहा है कि, संभवतः वह परीक्षा के दबाव में था जिस कारण उसने आत्महत्या का कदम उठाया।

सुमित के चाचा सुरेंद्र पांचाल ने आरोप लगाया है कि, यह पूरी तरह से मर्डर का मामला है। वे हॉस्टल में जाकर भी देखेंगे क्योंकि सुमित की गर्दन पर कट का निशान था।

ऐसा घाव रस्सी से नहीं हो सकता है और उसके हाथ भी पूरी तरह से लाल पड़े हुए थे। उन्होंने कहा कि, हम इसकी जांच करवाएंगे। सुमित के पिता विजयपाल का कहना है कि, सुमित से पांच दिन पहले बात हुई थी और रविवार को सुबह से शाम तक, उन्होंने कई बार कॉल किया लेकिन बातचीत नहीं हो पाई। जब उन्होंने हॉस्टल संचालक को इस संबंध में सूचना दी तब उसने कमरे में जाकर देखा तो हादसे के बारे में पता चला।

परिजनों ने मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम और मामले की जांच के लिए स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम गठित करने की मांग की है। कोटा शहर के पुलिस उपाधीक्षक द्वितीय, राजेश कुमार सोनी का कहना है कि, जिला प्रशासन ने भी हॉस्टल के रूम में एंटी हैंगिंग डिवाइस नहीं होने के मामले में जांच पड़ताल कर रिपोर्ट मांगी है। हॉस्टल संचालक के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

'इंदौर में कांग्रेस के उम्मीदवार ने नाम वापस लिया व भाजपा "जॉइन" की

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 अप्रैल। कांग्रेस पार्टी को एक बड़ा झटका लगा है और इस झटके से पार्टी की राज्य इकाइयों पर कमजोर होती पकड़ जगजाहिर हो गई है, क्योंकि कांग्रेस पार्टी ने अभी कुछ ही दिनों में आज दूसरा लोकसभा उम्मीदवार खो दिया है। मध्य प्रदेश के इंदौर से पार्टी के लोकसभा प्रत्याशी अक्षय बाम ने अपनी सीट से नामांकन वापस ले लिया है और वे इंदौर सीट की दौड़ से बाहर हो गए और इसके बाद वे आज ही भाजपा में भी शामिल हो गए हैं जबकि इस सीट पर कुछ ही दिनों में चुनाव होने वाले हैं।

इस घटना का खुलासा मध्य प्रदेश भाजपा के वरिष्ठ नेता कैलाश विजयवर्गीय की एक पोस्ट से हुआ है, जिसमें उन्होंने एक कार में ली गई फोटो में अपने साथ उम्मीदवार को दिखाया है।

विजयवर्गीय ने अपनी पोस्ट में कहा कि, इंदौर लोकसभा सीट से कांग्रेस के उम्मीदवार अक्षय कांति बाम का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा, मुख्यमंत्री मोहन यादव एवं प्रदेश अध्यक्ष वी.डी. शर्मा के नेतृत्व वाली भाजपा में स्वागत है।

इंदौर सीट के लिए नामांकन पत्र भरने का आज आखिरी दिन था, इस सीट पर चुनावों के चौथे चरण में 13 मई को वोट डाले जाएंगे।

जिलाधीश आशीष सिंह ने पत्रकारों को सूचित किया कि "कांग्रेस उम्मीदवार बाम सहित तीन प्रत्याशियों ने निर्धारित प्रक्रिया पूरी कर अपना नाम वापस ले लिया। इसी पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी कराई गई है।"

- **गत 22 अप्रैल को सूरत में भी कुछ ऐसा ही हुआ। कांग्रेस के उम्मीदवार का पर्चा त्रुटियों के कारण स्वीकार नहीं किया गया तथा बाकी सभी अन्य उम्मीदवारों ने अपने-अपने नाम वापस ले लिये थे, भाजपा उम्मीदवार निर्विरोध विजयी घोषित हुआ।**

अक्षम बाम उम्मीदवारी का अपना नामांकन वापस लेने के लिए भाजपा के एम.एल.ए. रमेश मेन्दोला के साथ जिलाधीश कार्यालय गए थे।

कांग्रेस ने इंदौर में भाजपा के सांसद शंकर लालवाणी के खिलाफ 45 वर्षीय बाम को चुनाव मैदान में पहली बार उतारा था, यह निर्वाचन क्षेत्र मध्य प्रदेश में सबसे बड़ा निर्वाचन क्षेत्र है। कांग्रेस ने बाम को एक ऐसे समय में चुना जब पार्टी कार्यकर्ताओं की एक लंबी कतार थी, उनके साथ तीन निवर्तमान विधायकों ने भी कांग्रेस छोड़कर मध्य प्रदेश में भाजपा में शामिल हो गए हैं।

पिछले सप्ताह गुजरात की सूरत लोकसभा सीट पर विपक्षी पार्टी को एक प्रत्याशी का नुकसान हुआ था। क्योंकि घटनाओं की एक ऐसी नाटकीय शृंखला चली कि, उसमें कांग्रेस के उम्मीदवार को अयोग्य घोषित किया गया और आठ उम्मीदवारों को अयोग्य घोषित किया गया और आठ उम्मीदवारों ने उसेक बाद उस सीट से नाम वापस ले लिये और एक के बाद दूसरे ने भी इसमें बसपा व एक निर्दलीय उम्मीदवार भी वापसी में शामिल है। इस घटनाक्रम के बाद 22 अप्रैल को भाजपा के मुकेश दलाल को सूरत लोकसभा निर्वाचन सीट से निर्विरोध विजयी घोषित कर दिया गया था।

कांग्रेस को वर्तमान लकोसभा चुनावों में यह दूसरा तगड़ा झटका लगा है, इंदौर में पार्टी के स्थानीय नेताओं ने इस घटना पर गहरी निराशा व्यक्त की है और पार्टी नेतृत्व के द्वारा श्री बम को उम्मीदवार बनाने का निर्णय पर सवाल खड़ा किया है।

पार्टी के निर्णय पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए स्थानीय कांग्रेसी नेता देवेन्द्र यादव ने मीडिया से चर्चा में कहा कि, "मैंने हमारी पार्टी के नेताओं को अक्षय बाम का चयन करते समय आगाह किया था। मैंने सचेत किया था कि वह उसका नामांकन पत्र वापस लेगा। हमें दुःख इस बात का है कि, हमारे जैसे पार्टी कार्यकर्ताओं, जो वर्षों से कांग्रेस की सेवा कर रहे हैं, उनकी अनदेखी कर उन जैसे लोगों को पार्टी ने टिकट दे दिया।"

बम के नामांकन पत्र की जांच के दौरान, भाजपा के विधि प्रकोष्ठ ने बाम के नामांकन फार्म पर इस बात को लेकर आपत्ति दर्ज कराई कि, उन्होंने आई.पी.सी. की धारा 307 के बारे में सूचना अथवा एक जमीन विवाद से संबंधित 17 वर्ष पुराने केस में हत्या के प्रयास के मुकदमे का उल्लेख नहीं किया। चुनाव अधिकारियों ने इस आपत्ति को नज़रअंदाज कर दिया था और बाम के नामांकन पत्र को स्वीकार भी कर लिया था क्योंकि उन्होंने जिस दिन नामांकन पत्र दाखिल किया था, उसी दिन उसमें आरोप जोड़ दिया था।

कांग्रेस के आदमी पर उंगली उठाई तो जवाब उंगली काटकर दिया जाएगा-उचियारड़ा

फलौदी थाने के बाहर धरने में दिए गए उचियारड़ा के भाषण का विडियो सोशल मीडिया पर वायरल

जोधपुर, 29 अप्रेल (कासं)। कांग्रेस प्रत्याशी करण सिंह उचियारड़ा का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वो, कांग्रेस के आदमियों पर उंगली उठाने वालों की उंगली काटकर जवाब देने की बात कह रहे हैं। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

लोकसभा चुनाव मतदान के दौरान फलोदी जिले के बैंगटीकला व अन्य पोलिंग बूथ पर हुई झड़प के मामले में पुलिस द्वारा 11 लोगों को पकड़ने के विरोध में रविवार को फलोदी में कांग्रेस ने धरना दिया। इस बीच नेताओं के साथ करण सिंह उचियारड़ा भी फलोदी पहुंचे और थाने के आगे जमकर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं के साथ मारपीट करने वाले दोषी पुलिसकर्मियों को निलंबित करने की मांग की तथा कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर आई.पी.सी. की धारा 307 में प्रकरण दर्ज करने व सी.आर.पी.सी. की धारा 151 में गिरफ्तार करने वाले दोषी पुलिसकर्मियों को निलंबित करने की मांग की। धरने के दौरान कांग्रेस नेता प्रकाश छंगाणी, पूर्व विधायक किशनाराम विश्नोई, कुम्भसिंह पातावत की अगुवाई में सैकड़ों कार्यकर्ताओं भी मौजूद थे।

- **धरना हालांकि समाप्त हो चुका है, पर किसी ने इस धरने और उसमें दिए गए करण सिंह के भाषण का विडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाल दिया, जो वायरल हो गया।**
- **वायरल वीडियो में उचियारड़ा ने यह भी कहा कि, न हिन्दू, न मुसलमान, न सिख न इसाई, हमारा धर्म सिर्फ कांग्रेस है।**

धरने के दौरान उचियारड़ा ने कहा कि, कांग्रेस के किसी भी आदमी पर उंगली उठाई तो उसका जवाब उंगली काटकर दिया जाएगा। न तो मुसलमान, न हिंदू, न सिख, न ईसाई, हमारा एक धर्म सिर्फ कांग्रेस है। मैं राजपूत हूँ और जबान देता हूँ, किसी को नहीं छोड़ूंगा। अगर भगत सिंह जान दे सकते हैं तो करण सिंह लोकतंत्र को जिंदा रखने के लिए हजारों डंडे खा सकता है।

धरने को संबोधित करते हुए उचियारड़ा ने कहा, मैंने जिला कलेक्टर, एस.पी., आई.जी. व आला नेताओं से बात की मगर कोई रास्ता नहीं निकला। इसलिए हमें धरना देना पड़ा। हालांकि, धरना रविवार को हटा दिया गया मगर किसी ने करण सिंह उचियारड़ा के भाषण का वीडियो बना कर सोशल मीडिया पर डाल दिया। वीडियो आज दिन भर चर्चा का विषय बना रहा।

'हमने जमानत के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है।" सिंघवी विजय मदनलाल चौधरी के फैसले का हवाला देते हुए कहते हैं: "धारा 19 की व्याख्या वृहद है।"

सिंघवी ने कहा कि इसके तीन वाक्यांश हैं: (1) अपने पास मौजूद सामग्री (2) विश्वास के कारण (3) अपराध दोष। गिरफ्तार करने की शक्ति का यह मतलब नहीं है कि गिरफ्तार ही कर लिया जाए। संदेह के आधार पर नहीं बल्कि अपराध सिद्ध होना चाहिए। पी.एम.एल.ए. की धारा 45 की भी एक सीमा है। आप किसी को एक लम्बे समय तक गिरफ्तार कर रहे हैं, जबकि आदर्श चुनाव आचार संहिता लागू है।

"या तो आपके पास दस्तावेज होते हैं या अपराध साबित करने वाले साक्ष्य होते हैं अथवा कोई आधार होता है, जिसके बारे में हम नहीं जानते। हिरासत में बंद किसी व्यक्ति से 16वीं बार बयान लिया जाता है। उसे जमानत मिलती है और बाद में वह सरकारी गवाह बन जाता है। उसका बयान आधार बन जाता है। यह पिछले वर्ष जुलाई माह की बात है। वे मेरे मुवक्किल को मार्च के महीने में गिरफ्तार करते हैं। मैं यह नहीं कह रहा कि मुख्यमंत्री को दण्ड से मुक्ति प्राप्त है, लेकिन क्या उसके पास अधिकार कम हैं?

दिल्ली के मुख्यमंत्री के दृष्टिकोण को समझाने के लिए सिंघवी उसके बाद एक अन्य त्वरित बयान देते हुए कहते हैं, "लेकिन कृपया ध्यान दें, मैं कोई आरोपी नहीं हूं। वे 24 मार्च तक यह स्वीकार करते हैं कि मैं ना तो कोई आरोपी हूं और ना ही कोई संदिग्ध।"

वह सी.बी.आई. की तीन चार्जशीट्स का भी हवाला देते हैं।

जस्टिस खन्ना ने एडवोकेट सिंघवी से कहा कि "सी.बी.आई. प्रकरण में आपका नाम अब तक नहीं है, जिस पर सिंघवी का उत्तर ना में था।

जस्टिस खन्ना ने आगे और स्पष्ट करते हुए कहा कि "बाद में केजरीवाल के नाम पर ई.सी.आई.आर. दायर की गई? इस पर सिंघवी का जवाब था- "ऐसा नहीं है। ई.डी. द्वारा केजरीवाल के खिलाफ केस बनाने के लिए पी.एम.एल.ए. की धारा 50 के अन्तर्गत गवाहों के बयानों पर भरोसा जताने से पहले ही ई.सी.आई.आर. फाइल कर दी गई थी।" सिंघवी आपराधिक केस की प्रक्रिया और पी.एम.एल.ए. प्रक्रिया के बीच के मूलभूत अंतर का उल्लेख करते हैं, खासतौर पर धारा 19 का, जो केजरीवाल के केस में लागू होती है।

जस्टिस खन्ना ने सिंघवी से पूछा कि उन्होंने जमानत याचिका दायर करने का विकल्प क्यों नहीं चुना। उन्होंने कहा कि "मतलब ये है कि आप गिरफ्तारी और रिमांड के खिलाफ हैं। मैं जिज्ञावासश ही पूछ रहा हूँ कि आपने जमानत का आवेदन क्यों नहीं दिया? इस पर सिंघवी ने कहा कि "क्योंकि गिरफ्तारी अवैध है। पी.एम.एल.ए. की धारा 19 का दायरा बहुत व्यापक है।

आम आदमी पार्टी ने बताया है दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल की पत्नी सुनीता को तिहाड़ जेल में उनके पति से मिलने की इजाज़त दे दी गई है।

अन्ततोगत्वा जोधपुर में गजेन्द्र सिंह ....

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हजार से अधिक वोटों के अन्तर से शिकस्त देकर जीत हासिल की थी।

इस बार के चुनाव में तो शेखावत का खुद का कद काफी बढ़ा हुआ था। हालांकि इस बार के चुनाव में भी मुख्य चेहरा तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का था। मगर शेखावत की खुद की पहचान भी भाजपा के बड़े नेताओं में होने लगी थी जिसका उन्हें फायदा मिल सकता है।

जोधपुर से अब तक के सांसद

1951-52 महाराजा हनुवंत सिंह (निर्दलीय)
1952-57 (उपचुनाव) जसवंत राज मेहता (निर्दलीय)
1957-62 जसवंत राज मेहता (कांग्रेस)
1962-67 एल.एम. सिंघवी निर्दलीय
1967-71 एन.के. सिंघी (कांग्रेस)
1971-77 राजमाता कृष्णाकुमारी (निर्दलीय)
1977-80 रणछोड़दास गट्टानी (भारतीय लोकदल)
1980-84 अशोक गहलोत (कांग्रेस)
1984-89 अशोक गहलोत (कांग्रेस)
1989-91 जसवंत सिंह जसोल (भाजपा)
1991-96 अशोक गहलोत (कांग्रेस)
1996-98 अशोक गहलोत (कांग्रेस)
1998-99 अशोक गहलोत (कांग्रेस)
1999-04 जसवंत सिंह (विश्नोई भाजपा)
2004-09 जसवंत सिंह विश्नोई (भाजपा)
2009-14 चंद्रेश कुमारी (कांग्रेस)
2014-19 गजेंद्र सिंह शेखावत (भाजपा)
2019-24 गजेन्द्र सिंह शेखावत (भाजपा)

तीस जून को...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जुलाई को वार्षिक वेतन वृद्धि देने का प्रावधान है। याचिका में कहा गया कि, कर्मचारियों को वार्षिक वेतन वृद्धि अग्रिम देने के बजाए एक साल की सेवा करने के बाद में दी जाती है। ऐसे में याचिकाकर्ता एक साल की सेवा पूरी कर तीस जून को रिटायर हुए हैं। इसलिए उन्हें उस वर्ष काम करने के कारण एक जुलाई को मिलने वाली वार्षिक वेतन वृद्धि दी जाए।

याचिका में यह भी कहा गया कि, सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट पूर्व में तय कर चुके हैं कि, वेतन वृद्धि देने के लिए यह नहीं देखा जाएगा कि कर्मचारी सेवा में हैं या नहीं। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने राज्य सरकार को कहा है कि, वह याचिकाकर्ताओं को एक वार्षिक वेतन वृद्धि का लाभ दे।

बी.ए.पी. की कड़ी चुनौती के बाद भी बांसवाड़ा-डूंगरपुर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मालविया ही पाला बदल चुके हैं तो स्वाभाविक है उनके समर्थक भी उनके साथ भाजपा में चले गए हैं। क्षेत्र में अच्छी पकड़ के चलते मालविया की स्थिति, बाप पार्टी की तुलना में मज़बूत मानी जा रही है।

बीएपी के राजकुमार रोत की युवा वर्ग पर अच्छी पकड़ है। उन्होंने अब तक अलग चल रहे समर्थकों के परिजनों को भी बी.ए.पी. के समर्थन में मतदान करने पर राजी कर लिया, लेकिन इसमें भी उन्हें आंशिक सफलता ही मिल पाई है। रोत के पास युवा जोश है पर सिर्फ इसी के सहारे चुनाव नहीं जीता जा सकता है। मालविया को इस क्षेत्र में राजनीतिक विशेषज्ञ माना जाता है उसके पास धनबल है, संगठन की ताकत है लिहाजा उनका पलड़ा भारी है।

बांसवाड़ा -डूंगरपूर संसदीय सीट परम्परागत रूप से कांग्रेस-भाजपा के लिए वर्चस्व की लड़ाई के रूप में जानी जाती थी। पर पिछले कुछ समय से क्षेत्रीय दल भारत आदिवासी पार्टी (बाप) का प्रभाव बढ़ रहा है। लोकसभा चुनाव में बाप पार्टी ने क्षेत्र की आठों विधानसभा सीटों में पहले ही प्रचार शुरु कर दिया था। कांग्रेस ने पहले तो यहां प्रत्याशी खड़ा कर दिया था पर बाद में बाप से गठबंधन कर लिया और अपना प्रत्याशी वापस लेने की घोषणा कर दी पर कांग्रेस के प्रत्याशी अरविंद डामोर नामांकन वापसी की आखिरी तारीख को "लापता" हो गए। डामोर नेतृत्व के निर्देशों को दरकिनार करते हुए चुनावी मैदान में डटे रहे। इसका फायदा सीधे तौर पर भाजपा को होता लग रहा है।

असल में बाप के साथ समझौते को लेकर डूंगरपुर जिला कांग्रेस खुश नहीं थी। दूसरी ओर बाप ने भी कांग्रेस को अपने प्रचार अभियान से दूर ही रखा हुआ था। दोनों जिलों में कांग्रेस ने क्षेत्रीय दल के प्रत्याशी के समर्थन में पहले तो कोई सभा तक नहीं की लेकिन, अन्तिम दौर में कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष व प्रदेश प्रभारी दोनों ने बी.ए.पी. के प्रत्याशी राजकुमार रोत के समर्थन में एक जनसभा कर अपना गठबंधन धर्म निभाया था। क्षेत्र के एकमात्र कांग्रेस विधायक गणेश घोघरा पहले दिन से ही इस बाप पार्टी से अपनी दूरी बनाये हुए हैं। पिछले दस वर्षों से आपसी गुटबाजी ने कांग्रेस की हालत खराब कर दी है।

पंचायती राज के चुनावों में कमल-कांग्रेस का गठबंधन कर जिला प्रमुख का पद भाजपा को सौंपा गया था। आन्तरिक कलह इस कदर बढ़ गई कि विधानसभा चुनावों में पूर्व जिलाध्यक्ष की कार्यशैली को लेकर आरोप-प्रत्यारोप का दौर खूब चला था। पार्टी चार भागों में विभक्त हो गई थी। डूंगरपुर कांग्रेस में हो रही इस तरह की गुटबाजी को लेकर कभी भी प्रदेश नेतृत्व ने कोई गंभीरता नहीं दिखाई। उसी के कारण आजादी के बाद से जो कांग्रेस इस जिले में एक छत्र रूप से छाई हुई थी। उसका आम कार्यकर्ता अपने आप को असुरक्षित समझने लगा और लोकसभा चुनावों से पहले बांसवाड़ा के कद्दावर नेता सांसद व मंत्री रह चुके मालवीया ने भाजपा का दामन थाम लिया। उनके साथ-साथ कई अन्य कांग्रेसी नेताओं ने भी भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली और इन चुनावों में भाजपा के लिए राह आसान कर दी।

पांच महीने पहले विधानसभा चुनाव में हुए मतदान और लोकसभा चुनाव के मतदान में सबसे ज्यादा कमी इस बार कुशलगढ़ विधानसभा में आई है। यहां 89.90 प्रतिशत मतदान हुआ था जो अब 69 प्रतिशत पर पहुंच चुका है। इतनी गिरावट की वजह स्थानीय लोगों का रोजगार के लिए गुजरात और महाराष्ट्र की ओर पलायन है। भाजपा प्रत्याशी की बागीदौरा सीट पर 5.39 और बाप प्रत्याशी राजकुमार की चौरासी विधानसभा सीट पर 8.36 प्रतिशत कम मतदान हुआ है। इस संसदीय सीट पर बांसवाड़ा में 79.02, बागीदौरा में 76.66, कुशलगढ़ में 75.01, घाटोल में 80.85, गढ़ी में 75.01, सागवाड़ा में 69.05 प्रतिशत, चौरासी में 71 तथा डूंगरपुर में 65.12 प्रतिशत मतदान हुआ। इस क्षेत्र की आठ सीटों पर कुल 72.77 प्रतिशत मतदान हुआ।

देवेगौड़ा के पौत्र ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लिया गया।

कांग्रेस प्रवक्ता ने प्रश्न किया कि यह जानने के बावजूद कि प्रज्वल दुनिया के सबसे बड़े एवं घिनौने यौन दुराचार का सरगना है, प्रधानमंत्री ने उसके लिए चुनाव प्रचार क्यों किया और उनके साथ मंच क्यों साझा किया।

सबसे महत्वपूर्ण यह है कि प्रज्वल को बच कर जर्मनी भागने में किसने मदद की? कांग्रेस ने उक्त प्रश्न कर अपने इरादे बिल्कुल स्पष्ट कर दिए हैं कि कर्नाटक व अन्यत्र होने वाले उसके चुनाव प्रचार में यह मुद्दा उठाया जाता रहेगा।

तृणमूल कांग्रेस की सांसद सागरिका घोष यह मुद्दा पहले ही उठा चुकी हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री को एक ट्वीट कर कहा कि "नरेन्द्र मोदी जी एवं जे.पी. नड्डा जी। आपकी कर्नाटक की सहयोगी पार्टी जे.डी. (एस.) का लोकसभा प्रत्याशी प्रज्वल रैवन्ना महिलाओं का बलात्कार और यौन उत्पीड़न करता रहा है। यहां तक कि तब भी यौन हिंसा की फिल्म बनाता रहा, और उस दौरान महिलाएं रोती रहीं। प्रज्वल अब देश से बाहर है। "नारी शक्ति" पर कृपया आपकी प्रतिक्रिया की प्रतीक्षा है।"

इस कांड के खुलासे की "टाइमिंग", न केवल कर्नाटक बल्कि पूरे देश में, भाजपा की संभावनाओं को हानि पहुंचा सकती है। सोशल मीडिया प्रचार के जमाने में, इण्डिया गठबंधन के नेता, खासकर पश्चिम बंगाल में, इस नवीनतम कांड के कारण भाजपा पर करारा प्रहार करेंगे। तृणमूल कांग्रेस, जिसे भाजपा ने संदेशखाली घटनाओं के कारण घेर लिया था, वह अब कर्नाटक सैक्स कांड और भाजपा की इस कांड पर चुप्पी को प्रभावकारी तरीके से इस्तेमाल करेगी। संयोगवश, पश्चिम बंगाल में भी अभी काफी ज्यादा सीटों पर मतदान होना बाकी है। भाजपा की चुप्पी प्रज्वल रैवन्ना जो कि विदेश भाग चुका है, के भागने को आसान बनाने में कथित मिलीभगत महिलाओं के वोट मांगने वाले उनके प्रचार को कमजोर कर सकती है।

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और जनता दल (एस.) के नेता एच.डी. कुमारस्वामी के कमज़ोर बचाव ने समस्या को और जटिल बना दिया है। नाराज़ कुमारस्वामी ने पूछा, "वीडियोज़" को तीन दिन पहले ही क्यों "रिलीज़" किया, उससे पहले क्यों नहीं? इस पुराने मुद्दे को चुनाव के वक्त उठाने की क्या जरूरत है? कुमारस्वामी द्वारा प्रश्न करने से ऐसा प्रतीत होता है कि वह इन वीडियोज़ की सत्यता को स्वीकारते हैं। अब जाँच के लिए स्पेशल इन्वैस्टिगेशन टीम (एस.आई.टी.) का गठन हो चुका है, सत्य को उजागर होने दीजिए। उन्होंने रैवन्ना के परिवार से दूरी बनाते हुए कहा, "जो भी गलती करेगा उसे देश के कानून के अनुसार नतीज़े भुगतने होंगे।" पार्टी के अंदर, अब नेतृत्व से प्रज्वल रैवन्ना के खिलाफ "एक्शन" लेने की मांग की जा रही है। जद (एस.) के विधायक, प्रज्वल रैवन्ना और उसके पिता एच.डी. रैवन्ना के पार्टी से निष्कासन की मांग कर रहे हैं क्योंकि, कथित तौर पर दोनों पर ही महिलाओं से यौन-उत्पीड़न के आरोप हैं।

इन जद (एस.) नेताओं के विरूद्ध दाखिल किए गए, एक विशेष मुकदमे में घर में काम करने वाली एक महिला ने पिता-पुत्र की जोड़ी पर, सन् 2019 से उसके यौन-उत्पीड़न करने का दावा किया है। सरकार द्वारा गठित एस.आई.टी. ने फरार नेता के खिलाफ धारा 354 डी, 506 और 509 के तहत केस दर्ज किया है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908